Roll No. ..... Total Pages: 04

6613

B.A./B.Ed. Part – I (Integrated) Examination, 2019

SANSKRIT LITT. – I

(काव्य, नाटक एवं प्रायोगिक व्याकरण)

Time: Three Hours

Maximum Marks: 80

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

All questions are mandatory.

*The answer to each question should not exceed **50** words.*

*Each question is of **2** marks.*

*सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **50** शब्दों से अधिक न हो।*

*प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।*

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 30]*

*Answer **five** questions selecting one from each unit.*

*The answer to each question should not exceed **250** words.*

*Each question is of **6** marks.*

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए।*

*प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **250** शब्दों से अधिक न हो।*

*प्रत्येक प्रश्न **6** अंक का है।*

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

*Answer any **three** questions.*

*Answer should not exceed **300** words. Each question is of **10** marks.*

*कोई **तीन प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **300** शब्दों से अधिक न हो।*

*प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का है।*

खण्ड – अ

प्र.1 निम्न सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य है–

(i) मौन किसका आभूषण है?

(ii) सभी गुण किसके आश्रय में रहते हैं?

(iii) "सत्संगतिः कथय किम् न करोति पुंसाम्"–उक्ति को स्पष्ट कीजिए।

(iv) "न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः"–उक्ति की व्याख्या कीजिए।

(v) "स्वप्नवासवदत्तम्" के लेखक कौन है तथा उनकी कितनी कृतियाँ है?

(vi) वासवदत्ता के पिता का नाम क्या है?

(vii) यौगन्धरायण ने वासवदत्ता को धरोहर रूप में किसके पास रखा था?

(viii) उदयन के शत्रु का नाम बताइये?

(ix) "छायेव" का संधि–विच्छेद करते हुए संधि का नाम लिखिए।

(x) "गत्वा" में प्रकृति–प्रत्यय लिखिए।

खण्ड – ब

इकाई – I

प्र.2 सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वलाः,
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं न अलंकृता मूर्धजाः।
वाण्येका समलंकरोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते,
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम्।।

अथवा

प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः
प्रारभ्य विघ्नविहता विरमन्ति मध्याः।
विघ्नैः पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमानाः
प्रारब्धमुत्तमजना न परित्यजन्ति।।

इकाई – II

प्र.3 सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

भवन्ति नम्रास्तरवः फलोद्गमै–
नवाम्बुभिर्दूरविलम्बिनो घनाः।
अनुद्धताः सत्पुरुषाः समृद्धिभिः,
स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्।।

अथवा

सम्पत्सु महतां चित्तं भवत्युत्पलकोमलम्।
आपत्सु च महाशैलशिलासंघातकर्कशम्।।

इकाई – III

प्र.4 सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

पूर्वं त्वयाप्यभिमतं गतमेवमासी
च्छ्लाघ्यं गमिष्यसि पुनर्विजयेन भर्तुः।
कालक्रमेण जगतः, परिवर्तमाना
चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्यपंक्तिः।।

अथवा

पद्मावती बहुमता मम यद्यपि रूपशीलमाधुर्यैः।
वासवदत्ताबद्धं न तु तावन्मे मनो हरति।।

इकाई – IV

प्र.5 सप्रसंग संस्कृत में व्याख्या कीजिए–

ऋज्वायतां हि मुखतोरणलोलमालां
भ्रष्टां क्षितौ त्वमवगच्छसि मूर्ख! सर्पम्।
मन्दानिलेन निशि या परिवर्तमाना
किंचित् करोति भुजगस्य विचेष्टितानि।।

अथवा

कातरा येऽप्यशक्ता वा नोत्साहस्तेषु जायते।
प्रायेण हि नरेन्द्रश्रीः सोत्साहैरेव भुज्यते।।

इकाई – V

प्र.6 किन्हीं चार प्रयोगों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी कीजिए–

(संधि, समास एवं प्रकृति–प्रत्यय विषयक)

(1) कृतम्

(2) यद्यस्ति / यद्यस्ति

(3) जरामणम्

(4) लब्धवा

(5) धर्मप्रिया

(6) श्रुतः

(7) दृष्ट्वा

(8) द्वावेव

खण्ड – स

प्र.7 नीतिशतकम् के आधार पर "मूर्ख पद्धति" पर लेख लिखिए।

प्र.8 नीतिशतकम् के आधार पर "विद्वत पद्धति" पर लेख लिखिए।

प्र.9 स्वप्नवासवदत्तम् नाटक के आधार पर "उदयन" का चरित्र चित्रण कीजिए।

प्र.10 स्वप्नवासवदत्तम् नाटक के आधार पर "विदूषक" का चरित्र–चित्रण कीजिए।

प्र.11 स्वप्नवासवदत्तम् नाटक का नाम किस आधार पर रखा गया सिद्ध कीजिए।